an>

Title: Need to take suitable measures to prevent annual floods occurring in districts of eastern Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर)ः देश में प्रतिवर्ष बाढ़, भूकम्प, सूखा आदि प्राकृतिक आपदाओं से बड़े पैमाने पर जन-धन की हानि होती है। बाढ़ अन्य प्राकृतिक त्रासदियों भूकम्प अथवा तूफान जैसी विभीषिका भी नहीं है कि जिसका पूर्वानुमान कठिन है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज आदि जनपद तथा बिहार के कुछ क्षेत्र प्रतिवर्ष बाढ़ की भीषण आपदा का सामना करते हैं। हिमालय की तराई में पड़ने वाला यह क्षेत्र वहाँ से निकलने वाली सरयू, राप्ती, रोहिन, गण्डक, नारायणी आदि कई छोटी-बड़ी नदियों की बरसाती बाढ़ के मुहाने पर होने के कारण पहले शिकार होते हैं। इस क्षेत्र में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ की त्रासदी का स्थलीय निरीक्षण - सर्वेक्षण कराकर तथा राहत सामग्री के रूप में प्रतिवर्ष व्यय की जाने वाली धनराशि अगर एक बार खर्च कर दी जाए तो बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है। आजादी के बाद जल के उचित दोहन तथा राहत बाढ़ की विभीषिका से बचने के लिए उत्तर प्रदेश के लिए गंगाजल आयोग का गठन किया गया था। इस आयोग का सुझाव था कि पूर्वांचल की नदियों का उद्गम - स्थल नेपाल में ही करनाली पंचेश्वर तथा भालू में बांध बनाकर रोका जाए तथा नेपाल में ही जलकुण्डी जलाशय बनाकर आवश्यकतानुसार जल इसमें लाया जाए, परन्तु राजनीतिक कारणों से यह योजना अमल में नहीं लायी जा सकी।

अतः मैं इस समस्या पर विचार करने तथा माननीय प्रधानमंत्री जी से इसके लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध करता हूँ जिससे प्रतिवर्ष बाढ़ जैसी प्राकृतिक त्रासदी से होने वाले व्यापक जन-धन की हानि को रोका जा सके।